A–0465

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

CCIKS–101

भाषा एवं साहित्य

Examination, 2026 (Feb.)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भारतीय लिपियों के इतिहास को रेखांकित कीजिये।
2. भारतीय ज्ञान परम्परा में भाषा विज्ञान के महत्व को प्रदर्शित कीजिये।
3. वैदिक कालीन भाषा विज्ञान से सम्बन्धित ग्रन्थों की समीक्षा कीजिये।
4. प्राकृत भाषा के वैशिष्ट्य का प्रतिपादन करते हुए प्राकृत में निहित साहित्य का उल्लेख कीजिए।

5. सिद्ध कीजिये कि उपनिषद् साहित्य भारतीय ज्ञान परम्परा की सर्वोच्च धरोहर हैं।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आधुनिक संस्कृत काव्यकारों का उनके कृतित्व के साथ परिचय दीजिये।
2. शारदा लिपि के विकास क्रम को प्रदर्शित कीजिये।
3. आरण्यकों के महत्व को प्रदर्शित कीजिये।
4. सामवेद की प्रमुख विशेषतायें लिखिये।
5. महर्षि पाणिनि के संस्कृत व्याकरण को दिये गये योगदान का उल्लेख कीजिये।
6. दक्षिण भारत की प्राचीन भाषाओं एवं उनके रचनाकारों का वर्णन कीजिये।
7. उपनिषदों के महत्व को बताइये।
8. महाकवि कालिदास के कृतित्व का परिचय दीजिये।

****